



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 27]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 28, 1981/माघ 8, 1902

No. 27] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 28, 1981/MAGHA 8, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

(नारियल उद्योग विकास नियंत्रण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1981

सां. का० नि० 34 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979 (1979 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, यथा:—

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. संक्षिक्ष माम और विस्तार—(1) इन नियमों का नाम नारियल विकास बोर्ड नियम, 1981 है।

(2) ये राजसत्र में प्रकाशन की नारीय को प्रदूष होने।

2. परिभाषा—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अर्पणशील न हो,—

(क) "अधिनियम" में नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979 (1979 का 5) अधिप्रेत है;

(ख) "समिति" से बोर्ड द्वारा धारा 9 के प्रधीन नियुक्त की गई कोई समिति अधिप्रेत है;

(ग) "गतिविधि" में बोर्ड का सक्रिय अधिप्रेत है;

(घ) "धारा" में अधिनियम की धारा अधिप्रेत है;

(ङ) "उपायकारी" से बोर्ड का उपायकारी अधिप्रेत है;

(ज) "मुख्य नारियल विकास अधिकारी" से धारा 7 की उपधारा (2) के प्रधीन नियुक्त किया गया मुख्य नारियल विकास अधिकारी अधिप्रेत है;

(छ) ऐसे प्रत्येक शब्दों और पदों के, जो प्रयुक्त हुए हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, कमगांव वे ही प्रत्येक होंगे जो उस अधिनियम में उनके हैं।

अध्याय 2

बोर्ड और उसकी समितियाँ

3. सदस्यों के लिये स्थान भरे जाने की रीति:—(1) केन्द्रीय सरकार, धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड (अ), (आ) (अ) और (ट) में विविध शिलों के प्रतिनिधि नियुक्त करने के पूर्व, यदि वह ठीक समझे, ऐसा परामर्श कर सकती।

(2) यदि बोर्ड के किसी नदमन की मूल्य हां जाती है या दो दोग पत्र दे देना है या यह मनमान जाता है तिं उसने ल्याग्गव दे दिया है या पद से हटा दिया जाता है या कार्य करने में असमर्थ हां जाता है, तो केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उन रिकां स्थान को भरने के लिये किसी व्यक्ति को नियुक्त कर नहींती है।

परन्तु यदि रिक्त स्थान ऐसा है जिसे पदमुक्त होने वाला सबस्य, धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड (ड) के अधीन तोक समा की अपनी सदस्यता के अधार पर धारण किए द्गए या तो उस रिक्त स्थान में भग्ने अधिकृत की नियुक्ति संसद के उम सदन द्वारा, जिसका पदमुक्त होने वाला अधिकृत सदस्य था, तब नियन्त्रित के आधार पर की जायेगी।

4. सदस्यों को पदावधि—इसमें इसके पश्चात् जैसा उपबन्धित है, उसके सिवाय—

- (i) सदस्य अपनी नियुक्ति की तारीख से अधिक से अधिक तीन वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेगा;
- (ii) धारा 4 की उपधारा (4) के अधीन नियुक्त किया गया सदस्य, उस दशा में बोर्ड का सदस्य नहीं रह जायेगा जब वह संसद के उम सदन का, जिससे वह इस प्रकार विनियोगित हुआ था, सदस्य नहीं रह जाता है, मग उम प्रबंग/लिङ् का प्रतिनिधि नहीं रह जाता है जिसके लिये वह इस प्रकार नियुक्त किया गया था,

परन्तु सदस्य पुरतियुक्त के लिये पात्र होगा।

(2) नियम 3 के उपनियम (2) के अधीन किसी आकस्मिक रिक्त को भरे जाने के लिये नियुक्त अधिकृत, तब तक पद धारण करेगा जब तक कि वह सदस्य, जिसके स्थान पर उसे नियुक्त किया गया है, रिक्त न होने की दशा में पद धारण करने का हकदार रहता।

5. स्थानपत्रः—(1) किसी सदस्य का पद उस तारीख से, जिस तारीख को उसका स्थानपत्र स्वीकार किया जाता है या स्थानपत्र की सूचना प्राप्त होती है, सीस दिन के अवसान पर, इसमें जो भी पूर्वसर है, रिक्त होगा।

(2) किसी सदस्य का स्थानपत्र स्वीकार करने की शक्ति अधिकृत में निहित होती है, जो त्यानपत्र स्वीकार करके उसकी रिपोर्ट, बोर्ड को उसके अगले अधिवेशन में करेगा।

6. बोर्ड से हटाया जाना:—केन्द्रीय सरकार, ऐसे किसी सदस्य को पद से हटा सकती जो,—

- (क) विहृत हो और किसी सक्षम न्यायालय ने जिसे ऐसा घोषित किया है, या
- (ख) अनुमतिवाली विवालिया है, या
- (ग) किसी ऐसे अधिकार के लिये सिद्धांश किया गया है जिसमें नैतिक अधिमता अन्तर्भुलित है, या
- (घ) अधिकृत की अनुमति के बिना बोर्ड के तीन कमवर्ती अधिवेशनों में हाजिर रहने में असफल रहता है।

7. भारत से अनुपस्थिति:—यदि बोर्ड को कोई सदस्य भारत से बाहर जाता है तो जाने से पूर्व वह—

- (क) बोर्ड के सचिव को भारत से अपने प्रस्थान और प्रत्याशित कापसी की तारीख प्रकाशित करेगा;
- (ख) उस दशा में अपना स्थानपत्र विविदत करेगा जब उसकी भारत से अनुपस्थिति की आशायित अवधि छः मास से अधिक की है।

8. सदस्यता-नामांकनी—सचिव सदस्यों के नाम और उनके पतों का अनिवार्य रखेगा।

9. पते में परिवर्तन—सदस्य अपने पते में किसी भी परिवर्तन की सूचना सचिव को देगा और यदि वह पते में ऐसे परिवर्तन की सूचना देने में असफल रहता है तो यासकीय अभिलेखों में वर्ज उसका पता, तभी प्रयोजनी के लिये उसका सही पता समझा जायेगा।

10. अधिकृत की, जो बोर्ड का मुख्य कार्यपालक भी होगा, नियुक्त भारत सरकार ऐसे अधिकृतों में से करेंगे जिनके पास नारियन दस्तावेज, विकास और प्रसंस्करण के लिये जान और अनुभव है।

11. उपाध्यक्ष:—(1) बोर्ड वर्ष अपने सदस्यों में से, एक उपाध्यक्ष का नियन्त्रित की तारीख से, या यदि नियन्त्रित किसी विद्यमान उपाध्यक्ष की पदावधि के अवधारण के पूर्व किया जाता है तो उम तारीख से, जिस तारीख को ऐसा अपाध्यक्ष पद रिक्त करेगा, वारह मास की अधिकृत के लिये करेगा।

(2) यदि कर्ता उपाध्यक्ष पद की, उसके द्वारा वर्त दे देने या उसके सबस्य न रह जाने के कारण या अन्यथा आकस्मिक रिक्त होती है तो बोर्ड, अपने अगले अधिवेशन में, उपाध्यक्ष बनाने के लिये किसी अन्य सदस्य का नियन्त्रित करेगा जो उम उपाध्यक्ष की पदावधि के अनुसार भाग के लिये पद धारण करेगा जिन्होंने त्यागत दे दिया है या जो बोर्ड का सदस्य नहीं रह गया है।

अध्याय 3

बोर्ड/बोर्ड के अधीन समिति के सदस्यों और बोर्ड द्वारा महयुक्त अधिकृतों के याकां और अन्य वस्ते

12 बोर्ड और उसकी समितियों के सदस्यों और धारा 4 (8) के अधीन बोर्ड से सहयुक्त अधिकृतों या धारा 9 (2) के अधीन उसकी समितियों के सदस्यों के रूप में सहयोगित सदस्यों के याकां और अन्य वस्ते—(1) बोर्ड या उसकी समितियों का कोई सदस्य या धारा 4 (8) के अधीन बोर्ड से सहयुक्त कोई अधिकृत या धारा 9 (2) के अधीन किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोगित कोई अधिकृत, जो सरकारी सेवक नहीं है, बोर्ड के या उसकी सम्बद्धन, गठित समिति के किसी अधिवेशन में सम्मिलित होने के प्रयागत के लिये या बोर्ड या संबद्ध समिति द्वारा उसे समनुवेशित किसी कर्तव्य के अनुपालन के लिये की गई किसी याकां की बाबत, केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाये गये नियमों या किये गये घादें के अधीन, जो तत्समय प्रकृत है, प्रथम श्रेणी के सरकारी सेवक को अनुरूप उच्चतम वर्गों पर याकां भत्ता और दैनिक भत्ता लेने का हकदार होगा:

परन्तु संसद के सदस्यों को याकां भत्ता और दैनिक भत्ते का संवाद, संसद सदस्य बेतन, भत्ता और पेंशन, अधिनियम 1954 के अनुमार विनियमित किया जायेगा।

(2) बोर्ड द्वारा, उसकी किसी ठदंग समिति या किसी अन्य समिति में सेवा करने के लिये या बोर्ड के किसी अन्य कारबार में सम्मिलित होने के लिये विशेष रूप से नाम नियित किसी केन्द्रीय या राज्य सरकार के पदधारी द्वारा कोई याकां की दशा में, बोर्ड उसे अनुरूप याकां और दैनिक भत्तों का संदर्भ उन वर्गों पर करेगा जो उसे, उस सरकार के, जिसमें वह तत्समय नियोजित है, नियमों के अधीन अनुरूप है।

(3) बोर्ड या उसकी समिति के किसी सदस्य या बोर्ड द्वारा सहयुक्त किसी अन्य अधिकृत या उसकी समिति से महयोगित किसी अधिकृत की संबंधित कोई याकां भत्ता या दैनिक भत्ता अनुजात नहीं की जिया जायेगा जब तक वह यह प्रमाणित नहीं कर देता कि उसने उम याकां और वितरण की बाबत, जिसके लिये दाका किया गया है, किसी अन्य श्रेणी से याकां भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं लिया है।

(4) याकां भत्ता, इन नियमों के अनुरूप हकदार किसी सदस्य को या किसी अधिकृत को, उसके प्राप्तिक निवास स्थान से बोर्ड या उसकी समिति के किसी अधिवेशन के स्थान तक से लिये या उम स्थान तक के लिये जहां वह कारबार में सम्मिलित होने के लिये जाता है और वहां से अपने निवास स्थान तक याकां भत्ता के लिये संदेश होगा।

परन्तु यदि याकां, उसके प्राप्तिक निवास स्थान से भिन्न किसी स्थान से प्राप्त होती है या याकां भत्ता वहां पर समाप्त होती है तो याकां

भता, उस रकम तक, जो उने तब सर्वेय हुई जब यात्रा उत्तर प्रायिक निवास स्थान से प्रारम्भ या वहाँ पर समाप्त होती या की गई वास्तविक यात्रा की बाबत सर्वेय रकम तक, इनमें जो भी कम है, परिसीमित रहेगी।

परन्तु यह भी कि, अध्यक्ष, विशेष परिस्थितियों में और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से, किसी सदस्य को उसके प्रायिक निवास स्थान से दिन स्थानों से भी यात्रा भता अनुदित कर सकता है।

(5) अध्यक्ष, बोर्ड या उसकी किसी समिति के सदस्य के या बोर्ड सहयुक्त किसी व्यक्ति या किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोगित किसी व्यक्ति के यात्रा भी वैतिक भते के प्रवोशन के लिये, नियक अधिकारी हैं।

13. भवारी भता बोर्ड या बोर्ड की किसी समितियों के अधिवेशनों में सम्मिलित होने के लिये या बोर्ड के किसी अन्य कारबाहर में सम्मिलित होने के लिये उन सदस्यों या व्यक्तियों को, जो यात्रा या दैनिक भते लेते हैं, कोई सवारी भता सदस्य नहीं किया जायेगा।

परन्तु ऐसे किसी सदस्य या व्यक्ति को, जिसका निवास उस स्थान पर है जहाँ बोर्ड या किसी समिति का अधिवेशन होता है या जहाँ बोर्ड के किसी अन्य कारबाहर का सवायहार किया जाता है, उसके द्वारा सवारी पर उपगत वास्तविक व्यय, अधिक से अधिक इस रूपये प्रतिवित के अधीन रहत हुए, सदत किया जा सकता है।

14. फोस का सवाय—बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति को या बोर्ड की किसी समिति में सदस्य के रूप में सहयोगित किसी व्यक्ति को, बोर्ड के उद्देश्यों के प्रवान्तर करने में या अधिनियम के किसी उपबन्धों के अनुसालन में, यथा कदा होने वाले या आन्तरिक प्रक्रिया के किसी विशेष कार्य के लिये फोस के रूप में 1000 रूपये तक का सवाय किया जा सकता है।

परन्तु फोस की अनुसेधता और उसकी मात्रा, प्रत्येक मामले में, केन्द्रीय सरकार द्वारा विरचित नियमों और भादेशों के अनुसार विनियित की जायेगी।

परन्तु यह भी कि, एक व्यक्ति को एक दर्ते में 1000 रूपये से ऊपर फोस, केवल केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से हो, मजूर की जा सकती है।

15. भारत से बाहर की गई यात्रा के लिए यात्रा भता भी वैतिक भते आदि—

बोर्ड या किसी समिति वे किसी सदस्य को या बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति को या किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोगित किसी व्यक्ति को, भारत से बाहर की गई किसी यात्रा के लिये कोई यात्रा भता संबंध नहीं किया जायेगा।

परन्तु यह कि यदि बोर्ड या किसी समिति का कोई सदस्य, केन्द्रीय सरकार की पूर्व सहमति से, बोर्ड के हित में भारत से बाहर यात्रा करता है तो वह, ऐसी दरी पर, यात्रा और अन्य भते पाने का दृष्टवार होगा। जिन पर केन्द्रीय सरकार भारत से बाहर भेजे जाने वाले किसी प्रतिनिधि भड़क के अन्यान्य सदस्य को समय-समय पर मजूर कर सकता है।

अध्याय 4

बोर्ड और उसका स्थापन

16. बोर्ड का स्थापन—(1) बोर्ड, नियमों की उपलब्धता के अधीन रहते हुए या तो इस प्रयोजनात्मक एक विनियित बजट उपबन्ध द्वारा या किसी समुचित शीर्षक के अधीन बचन द्वारा या विधिमाला पुर्तिविनियोजन द्वारा, धारा 7 की उपधारा (6) के अधीन तथा इस उद्देश्य के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित स्टाफ विनियम के अनुसार यथा उप-केन्द्रीय सरकार द्वारा मजूरी की गई रकम के भीतर ऐसा व्यय उपगत कर सकता है किन्तु यह तब जब उसकी राय में ऐसे

पदों का सूजन उसके कृत्यों के वक्षणापूर्ण अनुगालन के लिये आवश्यक समझा जाता है।

परन्तु ऐसे कोई पद, जिनका अधिकार वेतन या वेतनमान 1300 रूपये प्रतिमास से अधिक है, केन्द्रीय सरकार की मजूरी के बिना म तो सर्जित किये जायेंगे और न उन पर नियुक्तिया ही की जायेंगी।

(2) उपनियम (1) में विनियित शर्तों के अधीन रहते हुए,

(क) अध्यक्ष, ऐसे समूह “ग” पदों पर नियुक्तिया कर सकेगा। जिनका अधिकार वेतन या वेतनमान 900 रूपये प्रतिमास से कम है,

(ख) अध्यक्ष, समूह “घ” पदों पर भी नियुक्तिया कर सकेगा।

17. पदों का उत्सादन—बोर्ड, ऐसा कोई भी पद, जिसे वह सूजन करने के लिये सक्षम है उत्सादित कर सकता है।

18. सीधी भर्ती द्वारा पदों का भरा जाना—अधिकारियों की पक्षित की ऐसी सभी रिक्तियाँ, जिनका अधिकार वेतन या वेतनमान 1200 रूपये प्रतिमास से अधिक है या तकनीकी पद के रूप में वर्गीकृत अन्य पद, जिन्हें सीधी भर्ती द्वारा भरा जाता है, विवाहित किये जायेंगे और अन्य पदों की सभी रिक्तियाँ, सम्बद्ध केन्द्रीय सरकार के अधीन रिक्तियों की बाबत तत्समय प्रवृत्त नियमों और अन्य अधिकारणों को अधिकृति की जायेंगी और नियुक्तियाँ यथास्थिति, विवाहित के अनुसारण में आवेदन करने वाले या रोजगार कार्यालय द्वारा सिसारिश किये गये अध्यायियों में से, की जायेंगी।

19. प्रामाणिक द्वारा पदों का भरा जाना—अध्यक्ष, नियम 16 के उपनियम (2) में विनियित प्रबन्धों के पदों की बाबत प्रोन्तति द्वारा रिक्तियाँ भरते समय, ऐसे पदों पर प्रोन्तति के लिये पात्र सभी अध्यायियों के दावों पर विचार करेगा।

20. वेतन, छुट्टी, भते आदि—बोर्ड द्वारा नियुक्त सभी कर्मचारियों की बाबत वेतन, छुट्टी, भते पैसेन और सेक्युरिटी फायदे, सेवा की अन्य शर्तें और अन्य सुविधायें और रियायतें, जैसे वेतन प्राप्ति, बाहन काय करने के लिये, भवन के संरक्षण के लिये और अन्य ऐसे ही कार्यों के लिये अग्रिम, तब तक केन्द्रीय सरकार के उत्तर स्थानों पर तैनाती तत्समान श्रेणियों या स्तरों के प्राधिकारियों और कर्मचारियों को तत्समय लाभ ऐसे नियमों और विनियमों के अनुसार विनियमित किये जायेंगे जब तक कि बोर्ड पृष्ठक विनियम नहीं बना लेता।

21. तैनाती और स्थानान्तरण—बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनाती और स्थानान्तरण, अध्यक्ष, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित स्टाफ विनियम के अनुसार करेगा परन्तु अध्यक्ष, अपनी यह शक्ति बोर्ड के अन्य अधिकारियों को, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह ठोक समझे, प्रत्यायोजित कर सकता है।

22. व्यक्तियों को विदेश मेज़ाद—बोर्ड, केन्द्रीय सरकार को पूर्व मजूरी के बिना अपने किसी अधिकारी या अपने किसी सदस्य को विदेश नहीं भेजेगा।

अध्याय 5

बोर्ड, उसके अध्यक्ष और उसके सदस्य को शक्तियाँ

23. व्यय उपगत करने की शक्ति—(1) बोर्ड, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के और केन्द्रीय सरकार द्वारा राजस्व और व्यय के सबध में विरचित नियमों द्वारा जारी किये गये आदेशों के, जो तत्समय प्रवृत्त हो, अधीन रहते हुए, बजट में उपबन्धित पदों पर तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा मजूर की गई रकम के भीतर ऐसा व्यय उपगत कर सकता है जो वह ठोक समझे।

(2) बोर्ड उन शोबौं और व्यय शोबौं के बीच पुनर्विनियोजन कर सकता है।

(3) बोर्ड, किसी मद पर, केन्द्रीय सरकार को पूर्व मजूरी के बिना, भारत के बाहर कोई व्यय उपयोग नहीं कर सकता है।

24 सविदाएँ—बोर्ड अधिनियम के अधीन उसे न्यूसन कृत्यों के निवेदन के लिये कोई भी सविदा कर सकता है।

परस्तु—

(क) ऐसी प्रत्येक सविदा के लिये, जिसका विस्तार तीन वर्ष के प्रधान से अधिक है या जिसमें एक लाख रुपये से अधिक का व्यय अत्यधिक है, और

(ख) फसों या, विवेशों सरकारों से तकनीकी सहयोग या उनकी परामर्श-देता के लिये किये गये प्रत्येक करार या सविदा के लिये, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मजूरी अपेक्षित होती है।

(2) तंत्रिकायें तर तक बोर्ड पर आवश्यकारी नहीं होती जब तक कि उन्हें अध्यक्ष या बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी नियमादित नहीं करता है।

(3) अध्यक्ष या बोर्ड का कोई अधिकारी या उसका कोई सदस्य बोर्ड द्वारा नियमादित किसी हस्तान्तरण पत्र या सविदा के अधीन व्यक्तिगत रूप से दायी नहीं होता और ऐसे हस्तान्तरण पत्र या सविदाओं के अधीन उत्पन्न होने वाले किसी भी वायित्व को बोर्ड के व्यवाधीन धन में से चुकाया जायेगा।

25 शक्तियों का प्रत्यायोजन—(1) बोर्ड को, किसी समिति को ऐसी शक्तियों जी वह ठीक समझे, प्रत्यायोजित करने के की शक्ति है।

(2) बोर्ड द्वारा नियुक्त प्रत्येक समिति, या अधिनियम के अधीन उसके द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, ऐसे अनुदेशों, निवेशों या परिसमाप्ति के, यदि कोई है, जो बोर्ड के समस्त द्वारा परिनियन की जायें, प्रत्येक रूप हुए करेंगे और प्रत्येक समिति के सभी कार्य बोर्ड के नियन्त्रणधीन होंगे और बोर्ड ऐसे किसी भी कार्य को, रद्द, निलम्बित या उत्तरान्तरित जैसा वह ठीक समझे, कर सकता है।

26 शक्तियों के प्रत्यायोजन पर निर्भवता—बोर्ड नियमिति में से कोई भी शक्ति, किसी समिति को प्रत्यायोजित, नहीं करेगा।—

(क) किसी एक न मद को बाबत 20,000 रुपये से अधिक का अनावर्ती व्यय और ऐसा आवर्ती व्यय जिसमें किसी एक न मद पर एक वर्ष के भीतर 20,000 रु० से अधिक भी लापत्त अन्तर्विलिम है, मजूर करने की शक्ति,

(ख) बोर्ड को और से बोर्ड का बजट प्राक्कलन अंगीकार करने की शक्ति,

(ग) किसी एक न मद के मामले में 2500 रुपये से अधिक की प्राप्तिलिम वस्त्र के पुनर्विनियोजन की शक्ति, और

(घ) धारा 7 के अधीन पदों के सूजन की शक्ति।

27 साधारण वित्तीय संचयहार—इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, केन्द्रीय सरकार के सत्तमय प्रबूत केन्द्रीय खाताना नियम, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 वे उम्बन्द और साधारण वित्तीय नियम, 1963, ऐसे उपान्तरों या अनुकूलताके अधीन जो बोर्ड केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमेवत से उत्तमे करे, बोर्ड के सभी वित्तीय सवयव हारों की गान्धी होंगे।

28 अध्यक्ष को शक्तिया और वर्तन्य—(1) अध्यक्ष, बोर्ड के मुख्य कायापालक के रूप में, अधिनियम के अधीन उपबन्धित रूप में, अहं के उपयोग से कार्य वरते रहने के लिये, बोर्ड की नीतियों के क्रमान्वयन के लिये और उसके कृत्यों के निवेदन के लिये तथा इन नियमों और बोर्ड द्वारा विरचित विनियमों के अधीन कर्तव्यों के लिये शिक्षित होता।

(2) अध्यक्ष भी यह जिम्मेदारी होती कि वह यह मुनिषित करे कि उपनियम (1) के प्रधीन कृत्यों और कर्तव्यों के निवादन करने न भोई, राज्य सरकारों, संघ और अन्य अधिकारणों, सत्याना और प्राधिकारणों जैसे कि, भारतीय कृषि द्रव्यसंधान परिषद्, विषयान और निरीक्षण निवादानप कायर बोर्ड, नारियल उत्तरों वाले राज्यों में कृषि विषयविदानया, बोर्ड राज्य नारियल विकास नियम और नारियल उत्तरों से सबद्वा अन्य सत्याना तथा सगठनों से निकट सम्बन्धी में कार्य करता है और एक ही कार्य को दुबारा करने से बचता है। अध्यक्ष की यह भी जिम्मेदारी होती कि वह यह मुनिषित करे कि उपनियम (1) के अधीन कृत्यों और कर्तव्यों के कार्यव्ययन में, छोटे किसानों और उत्पादकों के हितों के सरक्षण के लिये इस प्रकार मनुषित अन्युपाय किये जा रहे हैं जिसमें कि वे भी, नारियल उत्तरों के विकास और संवर्धन में भाग ले सके और उत्तरों काविद्यारों हो सकते।

(3) अध्यक्ष, इन नियमों के अधीन रहने हुए, इन नियम के प्रधीन, अपनी शक्तियों का प्रत्यायोजन बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी को फर सकता है।

(4) अध्यक्ष को बोर्ड के सभी अधिकारियों और वर्तन्यों की छुट्टी मजूर करने की शक्ति है और अपनी इस शक्ति का प्रत्ययोजन बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी का, ऐसा शर्तों के, जो वह अंत समझे, अधीन रहते हुए कर सकता है।

(5) अध्यक्ष, बोर्ड के सभी विभागों और अधिकारियों पर, जिनके प्रत्यंगत मुख्य नारियल विकास प्रधिकारी और सचिव भी हैं, प्रशासनिक नियंत्रण रखेगा।

(6) अध्यक्ष को—

(i) अधिनियम या इन नियमों के अधीन अपेक्षित रूप में या बोर्ड के किसी भी कृत्य के उचित निवेदन के लिये आवश्यक समझे जाने पर, भण्डार और काव्यार सबधी दस्तावेजों और अभिलेखों को मानाने की, और देशांत्रों यथा स्थानों का निरीक्षण करने या करवाने की—

(ii) बोर्ड के काव्यालय के प्रत्युरक्षण और कार्यकरण के लिये, नियम 28 के उपबन्धों के अधीन रहने हुए, आकमिकमान्मा/पूर्ण और सेवाओं के लिये यथा वस्तुतः कर की जाने के लिये, व्यय मजूर करने की; और

(iii) धारा 10 के प्रधीन उपबन्धित रूप में, अधिनियम के उद्देश्यों को प्रत्यक्षर करने के लिये उत्तराय करने की, शक्ति प्राप्त है।

(7) अध्यक्ष, लिखित आवेदा द्वारा, उपनियम (6) के अधीन अपनी किसी भी शक्ति को बोर्ड के किसी अधिकारी को प्रत्यायोजन कर सकता है।

(8) अध्यक्ष का, बोर्ड या उसकी किसी समिति में, यथास्थिति, बोर्ड या उस समिति द्वारा किए गए किसी विनियम के अनुमरण में, उस समय तक कोई करवाई करने से राक्षने की शक्ति है जब तक ऐसा विनियम या पर केन्द्रीय सरकार को निर्देश सम्भिल है।

(9) यदि बोर्ड या उसकी किसी समिति द्वारा किसी मामले का निपटारा किया जाता है और उस मामल का बाबत, बोर्ड या समिति का अधिकारण होता रहा या सबद्वा करवाता के बोर्ड या समिति के सदस्यों के बीच परिवालत तक विनियम की प्रतीक्षा नहीं की जा सकती है तो अध्यक्ष ऐसे मामले पर स्वयं अपेक्षित विनियम कर सकता।

(10) यदि अध्यक्ष ऐसे विनियम करता है तो वह उसे यथास्थिति बोर्ड या समिति के अनुसमयन के लिये उसके आगामी अधिकारण में प्रस्तुत करेगा।

परन्तु यदि बोर्ड या समिति, अध्यक्ष द्वारा किये गये विनियम को उपान्तरित करती है या उसे भिन्नभाव कर देती है तो ऐसा उपालार

या निष्प्रभावन इस प्रकार के उपात्तरण या निष्प्रभावन के पूर्व किए गए किसी कार्य की विधिमात्रता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं ढालेगा।

29. उपाध्यक्ष की शक्तियाँ और कर्तव्य :—उपाध्यक्ष, अध्यक्ष की अनुपस्थिति में, बोई या उसकी समितियों के अधिकारियों की अवधारणा करेगा और अध्यक्ष की ऐसी शक्तियों की प्रयोग और ऐसे कृत्यों का पालन करेगा जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे।

30. मुख्य नारियल विकास अधिकारी की शक्तियाँ और कर्तव्य :—मुख्य नारियल विकास अधिकारी, अध्यक्ष के अधीन, बोई के लकड़ीकी पक्ष के प्रधान के रूप में हृत्य करेगा और ऐसी शक्तियों का प्रयोग तथा ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे।

31. सचिव की शक्तियाँ और कर्तव्य :—(1) सचिव बोई या उसकी समितियों द्वारा किये गये विनियोगों के क्रियान्वयन के लिये और अधिनियम या इन नियमों द्वारा उस पर अधिरूपित कर्तव्यों के निर्वहन के लिये जिम्मेदार होगा।

(2) ऐसी शक्तियों और कर्तव्यों के अधीन रहते हुए, जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे, सचिव—

(क) सभी महत्वपूर्ण कागजान और मामले बोई के समक्ष यथावधी शीघ्र प्रस्तुत करायेगा;

(ख) बोई के विनियोगों के कार्यान्वयन का रोपि के सम्बन्ध में नियंत्रण जारी करेगा;

(ग) इस अधिनियम के अधीन प्राप्त सभी रकमों के लिये बोई की ओर से रसायन अनुदात करेगा;

(घ) बोई की प्रान्तियों और व्यय का एक नेतृत्व और अधिनियम या इन नियमों के अधीन बोई के लिये विहित विभिन्न रजिस्टर भी, रखेगा या रखायेगा;

(ङ) बोई के कामकाज पर एक वार्षिक प्रारूप रिपोर्ट बोई के समक्ष, उसके अनुमोदन के लिये, प्रस्तुत करेगा और बोई द्वारा अनुमोदित प्रारूप में केन्द्रीय सरकार को, उस सरकार द्वारा इस नियमित समय-समय पर विनिष्ट तारीखों के अनुसार संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखे जाने के लिये, रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा; और

(च) सभी प्रशासनिक मामलों और ऐसे अन्य कृत्यों के निर्वहन में जिनके बारे में अध्यक्ष निर्देश दे, प्रध्यक्ष की सहायता करेगा।

अध्याय 6

बोई का वित्त, बजट और लेखा

32. बजट प्राक्कलन.—(1) बोई, प्रति वर्ष आगामी वित्तीय वर्ष के लिये बजट प्राक्कलन और चानू वर्ष के लिये प्रतिरीक्षित प्राक्कलन तैयार करेगा और उसे केन्द्रीय सरकार को, उस सरकार द्वारा नियम की गई तारीख को या उससे पूर्व, मंजूरी के लिये प्रस्तुत करेगा। मंजूर होने के पश्चात् पुनरीक्षित बजट मूल बजट को अधिकास कर देगा और वह वर्ष के लिये मंजूर किया गया बजट समझा जायेगा।

(2) कोई भी व्यय तब तक उपग्रह नहीं किया जायेगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार बजट मंजूर नहीं कर देती और व्यय के लिये सदाच अधिकारी की मंजूरी अधिकारी नहीं हो जाती।

(3) बजट ऐसे अनुदेशों के अनुसार, जो समय-समय पर आगे किये जायें, और ऐसे प्रारूप में जिस केन्द्रीय सरकार निर्देश दे, तैयार किया जायेगा। इसमें निष्प्रविधिक का कथन किया जायेगा :

(i) प्राक्कलित आवि अस्तीशेष;

(ii) अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) में निष्टित प्राक्कलित प्राप्तियाँ; और

(iii) निष्प्रविधिक वर्षों द्वारा उपर्योगी के या ऐसे इन्हीं वर्षों और उपर्योगी के, जैसा कि केन्द्रीय सरकार निर्देश दे, प्रधान वर्षोंके प्राक्कलित व्यय, अंशतः—

वीर्व :—

(क) प्रशासन;

(ख) नारियल-अस्तादान विकास, जिसके प्रत्यान्त नारियल उगाने वालों के बीच सहकारिता के प्रयासों का उपयन और खेतों के समूलत तरीकों के लिये सहायता भी है;

(ग) नारियल और उसके उत्पादों के लिये वित्तगम, जिसके प्रत्यान्त श्रेणीकरण भी है, सुविधाओं का समूलयन;

(घ) नारियल और उसके उत्पादों पर प्रत्यान्त;

(ङ) विस्तारण शिवालिकाप, जिसके प्रत्यान्त प्रचार और प्रभार भी है;

(च) सांस्कृतिकी;

(छ) संकर्म; और

(ज) प्रकीर्ण।

उपर्योगी :

(क) वेनन;

(ख) मंजूरी;

(ग) यात्रा व्यय;

(घ) कार्यालय व्यय;

(ङ) मशीनरी और उपस्कर;

(च) मामग्री और प्रदाय;

(छ) किराया, रेट और कर;

(ज) प्रकाशन; और

(झ) अन्य प्रभार।

(iv) आगामी वित्तीय वर्ष के लिये किपाकलापों का कार्यक्रम।

(4) व्यय के अनुसुरक्ष प्राक्कलन, वर्ष कोई है, केन्द्रीय सरकार को, उसकी मंजूरी के लिये ऐसे प्रारूप में और तीसी तरीकों को, जैसी केन्द्रीय सरकार इस निष्प्रविधि निर्देश द, प्रस्तुत किये जायेंगे।

33. बोई का लेखा :—(1) बोई प्रत्येक वर्ष से संबंधित सभी प्राप्तियों और व्ययों का लेखा रखेगा और प्रतिवेद्य इस प्रकार रखेगा कि प्रतिवेष प्रप्ति और संबंध नेतृत्व, आय और व्यय लेखा और तुरन्त पत्र तैयार किये जा थके। वह लेखे बोई अनुमोदित करेगा और मारीकाक को प्रस्तुत किये जायेंगे।

(2) ऊपर मद (1) में उल्पविन रूप में बोई के कार्यक्रम लेखे तथा उस पर संबंधित को रिपोर्ट, अधिनियम की धारा 15(4) के अधीन उपबन्धित छप में, प्रतिवेष, वर्ष को समाप्ति के पश्चात् और किसी भी दशा, में, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिष्ट तारीखों से पूर्व, संमव के दोनों सदनों के पटल पर रखे जाने के लिये, यथासंभव गोद्व, केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किये जाएंगे।

(3) इस नियम में अन्तिम किसी वात पर प्रतिकूल प्रभाव आले विना, बोई, प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् केन्द्रीय सरकार को, इसके द्वारा विनिष्ट छप में एक रिपोर्ट आवेदक से अधिक 30 जून तक प्रस्तुत करेगा जिसमें पूर्व-र्तीय वित्तीय वर्ष के द्वारा बोई के किपाकलापों, नीति और कार्यक्रमों का सही और पूर्ण उल्लेख किया जायेगा।

34. बोई को निष्प्रविधि के द्वारा ऐसी विधियों का विवरण नहीं दिया जायेगा।

चालू व्यय के लिये अप्रेशित धन, भारतीय स्टेट बैंक वा भव्य फिरो राष्ट्रीयकृत बैंक में चालू आते में रक्खा जायेगा और अपेक्षानुसार उसमें से लेनदेन किया जायेगा तथा व्यय, उसकी मंजूरी के पश्चात ही, इस आते से धन निकाल कर उपगति किया जायेगा ।

(2) बोर्ड की पेशन निष्ठि या भविष्य निष्ठि की राशि और चालू व्यय के लिये अपेक्षित नहीं है, अनुमति विस्तार सक्यास प्रतिभूतियों वा उस वर्धीय रक्खा व्यवस्था विकास निषेप प्रमाणपत्र या राष्ट्रीय बैंक में भारतीय स्टेट बैंक में भा उमको किसी सम्पुर्णांगी में भा यदि केंद्रीय सरकार अनुमतिदित करे तो, किसी भव्य अनुसूचित बैंक में विनिहित की जा सकेगी ।

(3) बोर्ड द्वारा या उसकी ओर से संदाय, नकदी में या बोर्ड के चालू आता पर सिल्ली गई चेक द्वारा किया जायेगा ।

(4) बोर्ड की निष्ठियों की बाबत ऐसी घोको और उनके लिखेप या विनिधान या प्रथाहरण के भा किसी भव्य रीति से उनके व्यय के लिये सभी प्रादेशीयों पर हस्ताक्षर मिलिव करेगा और अध्यक्ष या अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उसके द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत बोर्ड का कोई भव्य प्रधिकारी उस पर प्रतिहस्ताक्षर करेगा ।

अध्याय 7

प्रकारण

35. रिपोर्ट और विवरणी— (1) अध्यक्ष या अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत किसी भव्य प्रधिकारी को निम्नलिखित से, नारियल या नारियल के किसी अन्य उत्पाद की बाबत कोई भी जानकारी या सांख्यिकी मांगने की शक्ति होगी :

- (i) नारियल उगाने खाली से,
- (ii) नारियल या कोपर के, जिसके अन्तर्गत खोपरा भेषण उत्पोदनी ही है, व्यवहारियों से,
- (iii) नारियल उत्पाद के विनिर्माणों से, और
- (iv) नारियल उत्पाद या नारियल उत्पादों के व्यवहार में लगे हुए भा किसी प्रकार उससे सम्बद्ध किसी व्यक्ति या कर्म या कर्मनी या किसी भव्य संस्था से ।

(2) बोर्ड अपने कियाकलापों भा एक कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत प्रत्येक विस्तीय वर्ष के लिये विकास-कार्यक्रम भी है, प्रथम रूप में प्रस्तुत करेगा । यह कार्यक्रम हर दशा में चालू विस्तीय वर्ष के 31 विसम्वर 1981 द्वारा दिया जाए ।

[मं. १४० १२(१६)/७४-सी० १०-१]

भारत सूद, अपर संचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

COCONUT INDUSTRY DEVELOPMENT CONTROL

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th January, 1981

G.S.R. 34(E).—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Coconut Development Board Act, 1979 (5 of 1979), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

CHAPTER I

Preliminary

Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Coconut Development Board rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) "Act" means the Coconut Development Board Act, 1979 (5 of 1979);
- (b) "Committee" means any of the committees appointed by the Board under section 9;
- (c) "Secretary" means the secretary to the Board;
- (d) "Section" means a section of the Act;
- (e) "Vice-Chairman" means the Vice-Chairman of the Board;
- (f) "Chief Coconut Development Officer" means Chief Coconut Development Officer appointed under sub-section (2) of section 7;
- (g) The words and expressions used and not defined, but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER II

The Board and Its Committees

3. Manner of filling vacancies among members.—(1) The Central Government may make such consultations as it may think fit, before appointing the representatives of the interests specified in clauses (f), (i), (j) and (k) of sub-section (4) of section 4.

(2) When a member of the Board dies or resigns or is deemed to have resigned or is removed from office or becomes incapable of acting, the Central Government may by notification in Official Gazette appoint a person to fill that vacancy :

Provided that where the vacancy is one which was held by the outgoing member by virtue of his membership of Parliament under clause (e) of sub-section (4) of section 4, the appointment of the next incumbent of that vacancy shall be on the basis of fresh election by that House of Parliament to which the outgoing member belonged.

4. Term of office of members.—(1) Save as hereinafter provided,—

(i) a member shall hold office for a period not exceeding three years from the date of his appointment.

(ii) a member appointed under sub-section (4) of section 4 shall cease to be a member of the Board if he ceases to be a member of the House of Parliament by which he was so elected, or ceases to represent the category/interest from which he was so appointed :

Provided that a member shall be eligible for re-appointment.

(2) A person appointed to fill a casual vacancy under sub-rule (2) of rule 3 shall hold office so long as the member whose place he fills would have been entitled to hold office, if the vacancy had not occurred.

5. Resignation.—(1) The office of a member shall fall vacant from the date on which his resignation is accepted or on the expiry of thirty days from the date of receipt of intimation of resignation, whichever is earlier.

(2) The power to accept the resignation of a member shall vest in the Chairman, who on accepting the resignation, shall report that to the Board at its next meeting.

6. Removal from Board.—The Central Government may remove any member from office—

- (a) if he is of unsound mind and stands so declared by a competent Court; or
- (b) if he is an undischarged insolvent; or
- (c) if he is convicted of an offence involving moral turpitude; or
- (d) if without the leave of the Chairman, he fails to attend three consecutive meetings of the Board.

7. Absence from India.—(1) Before a member of the Board goes out of India—

- (a) he shall intimate the Secretary the date of his departure from and the date of his expected return to India;
- (b) if he intends to be absent from India for a period longer than six months, he shall tender his resignation.

8. Membership Roll.—The Secretary shall keep a record of the names of members and their addresses.

9. Change of address.—A member shall keep the Secretary informed of any change in his address and if he fails to inform the change of address, the address in the official records shall for all purposes be deemed to be his correct address.

10. Chairman.—The Chairman who shall also be the Chief Executive of the Board shall be appointed by the Government of India from amongst persons having knowledge and experience of coconut production, development and processing.

11. Vice-Chairman.—(1) The Board shall elect, in each year from amongst its members, a Vice-Chairman for a period of twelve months commencing from the date of his election, or if the election is held before the expiry of the term of office of an existing Vice-Chairman, from the date on which such Vice-Chairman would vacate the office.

(2) If a casual vacancy occurs in the office of the Vice-Chairman on account of resignation or his ceasing to be a member or otherwise, the Board shall, at its next meeting, elect another member to be the Vice-Chairman who shall hold office for the unexpired portion of the term of the Vice-Chairman who has resigned or ceased to be a member of the Board.

CHAPTER III

Travelling and other Allowances to members of the Board/ Committee under the Board and persons Associated by the Board

12. Travelling and other allowances to members of the Board and its committees and persons associated with the Board under section 4(8) or co-opted as member of its committees under section 9(2).—(1) A member of the Board or its committee or a person associated with the Board under section 4(8) or a person co-opted as a member of a committee under section 9(2), other than a Government servant, shall be entitled to draw in respect of any journey performed by him for the purpose of attending a meeting of the Board or of a duly constituted committee thereof, or for the purpose of discharging any duty assigned to him by the Board or the committee concerned, travelling allowance and daily allowance at the highest rates admissible to Government servants of the first grade under the rules and orders made by the Central Government and for the time being in force:

Provided that, the payment of travelling allowance and daily allowance to the Members of the Parliament shall be regulated in accordance with the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1954.

(2) In the case of any journey performed by an official of the Central or the State Government specially nominated by the Board to serve on any ad hoc committee or any other committee or to attend to any other business of the Board, the travelling and daily allowances admissible to him shall be payable by the Board, at the rates admissible to him under the rules of the Government under which he is for the time being employed.

(3) No travelling allowance or daily allowance, shall be allowed to a member of the Board or its committee or any other person associated by the Board or co-opted by its committee unless he certifies that he has not drawn any travelling or daily allowance from any other source in respect of the journey and halt for which the claim is made.

(4) Travelling allowance shall be payable from the usual place of residence of a member or the person entitled under

these rules, to the place of the meeting or the place where he has gone to attend to any business of the Board or any of its committees and back to his place of residence:

Provided that, when the journey commences from or the return journey terminates at any place other than his usual place of residence, the travelling allowance shall be limited to the amount that would have been payable had the journey commenced from or terminated at the usual place of residence; or to the amount payable in respect of the actual journey undertaken whichever is less:

Provided further that, in special circumstances and with previous approval of the Central Government, the Chairman may grant travelling allowance from places other than the usual place of residence of a member.

(5) The chairman shall be the controlling officer for the purpose of travelling and daily allowance of the members of the Board or of any committee or the persons associated with the Board or co-opted as member of any committee.

13. Conveyance Allowance.—No conveyance allowance for attending meetings of the Board or any of the committees of the Board or for attending to any other business of the Board, shall be paid to those members or persons who draw travelling or daily allowance:

Provided that, a member or a person who is resident at a place where the meeting of the Board or any of the committees is held or where any other business of the Board is transacted, may be paid the actual expenditure incurred on conveyance by him subject to a maximum of rupees ten per day.

14. Payment of fees.—Fees may be paid upto a limit of Rs. 1000/- to a person associated by the Board or to a person co-opted as a member of a committee of the Board for special work of occasional or intermittent character, in furtherance of the objectives of the Board and in compliance with any of the provisions of the Act:

Provided that, the admissibility of fees and its quantum in each case will be decided in accordance with the relevant rules and orders framed by the Central Government:

Provided further that, fees beyond the limit of Rs. 1000/- to one person during a year can be sanctioned only with the prior approval of the Central Government.

15. Travelling and daily allowances, etc. for journey undertaken out side India.—No travelling allowance for any journey undertaken outside India shall be paid to any member of the Board or any Committee or any person associated with the Board or co-opted as member of any Committee:

Provided that, if any member of the Board or any Committee with the previous consent of the Central Government, travels outside India in the interest of the Board, he shall be entitled to receive travelling and other allowances at such rates as may be sanctioned by the Central Government from time to time for non-official members of a delegation sent by it outside India.

CHAPTER IV

The Board and its Establishment

16. Board's Establishment.—(1) The Board may, subject to availability of funds either by inclusion of a specific budget provision for the purpose or by savings under an appropriate head or by valid re-appropriation, sanction posts as provided for under sub-section (6) of section 7 and in accordance with the staff Regulations framed for the purpose with the approval of the Central Government, if in its opinion such creation of posts is considered necessary for the efficient performance of its functions:

Provided that no post carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is above Rs. 1300 per mensem shall be created and appointments made thereto without the previous sanction of the Central Government:

(2) Subject to the conditions specified in sub-rule (1)—

(a) the chairman may make appointments to Group 'C' posts carrying a pay or a scale of pay, the maximum of which is less than Rs. 900 per mensem;

(b) the chairman may make appointments to Group 'D' posts also. ..

17. Abolition of posts.—The Board may abolish any post which it is competent to create.

18. Filling of posts by direct recruitment.—All vacancies in the rank of officers carrying a pay, or a scale of pay, the maximum of which is above Rs. 1200/-per mensem or in any other posts classified as technical posts, to be filled by direct recruitment, shall be advertised, and all vacancies in other ranks shall be notified to the local Employment Exchange concerned, and other agencies, in accordance with rules and regulations in force in respect of vacancies under the Central Government and appointments shall be made from among the persons making application in pursuance of the advertisement or the candidates recommended by the Employment Exchange, as the case may be.

19. Filling of posts by promotion.—In filling vacancies by promotion in respect of the categories of posts referred to in sub-rule (2) of rule 16, the Chairman shall consider the claims of all candidates eligible for promotion to such posts.

20. Pay, leave, allowance, etc.—The pay, leave allowances, pension and retirement benefits, and other conditions of service and other facilities and concessions such as advances of pay, advances for purchase of conveyances, construction of houses and the like, in respect of all employees appointed by the Board, shall be regulated in accordance with such rules and regulations as are for the time being applicable to officers and employees of the Central Government of the corresponding grades or status stationed at those places till separate regulations are made by the Board.

21. Posting and transfers.—Posting and transfers of all officers and employees of the Board shall be made by the Chairman in accordance with the staff Regulations framed with the approval of the Central Government but the Chairman may delegate this power to the other officers of the Board subject to such conditions as he thinks fit.

22. Sending persons abroad.—The Board shall not send any officer of the Board or any member of the Board to places outside India without the previous sanction of the Central Government.

CHAPTER V

Powers of the Board, the Chairman and the Secretary

23. Power to incur expenditure.—(1) Subject to the provisions of the Act and these rules and the rules made and orders issued by the Central Government relating to revenue and expenditure for the time being in force, the Board may incur such expenditure as it may think fit on items provided for and within amounts sanctioned by the Central Government, in the budget.

(2) The re-appropriations between sub-heads and heads of expenditure may be made by the Board.

(3) The Board shall not incur expenditure outside India on any item without the previous sanction of the Central Government.

24. Contracts.—(1) The Board may enter into any contract for the discharge of the functions entrusted to it under the Act :

Provided that—

(a) every contract which extends over a period of more than three years or involves an expenditure in excess of rupees one lakh ; and

(b) every agreement or contract for technical collaboration or consultation services with firms or foreign Governments shall require the previous sanction of the Central Government.

(2) Contracts shall not be binding on the Board unless they are executed by the Chairman or any officer authorised by the Board.

(3) Neither the Chairman nor any officer of the Board nor any member thereof shall be personally liable under any assurances or contracts made by the Board and any liability arising under such assurances or contract shall be discharged from the moneys at the disposal of the Board.

25. Delegation of powers.—(1) The Board shall have power to delegate to a committee such powers as it deems fit.

(2) Every committee appointed by the Board shall exercise the powers conferred on it by or under the Act, subject to such instructions, directions or limitations, if any, as may be defined by resolution of the Board and all acts of every committee shall be subject to the control of the Board which may cancel, suspend or modify, as it thinks fit, any such act.

26. Restrictions on delegation of powers.—The Board shall not delegate any of the following powers to any committee :

(a) The powers to sanction non-recurring expenditure in excess of Rs. 20,000 in respect of any single item and recurring expenditure which involves an outlay of more than Rs. 20,000 in a year on any single item ;

(b) the power to adopt the budget estimates of the Board on its behalf ;

(c) the power to reappropriate estimated savings in excess of Rs. 2,500 in the case of any single item ; and

(d) the power to create posts under section 7.

27. Financial transactions in general.—Except as otherwise provided in these rules, the provisions of the Central Treasury Rules, the Delegation of Financial Power Rules, 1978 and the General Financial Rules, 1963 of the Central Government, for the time being in force, shall, subject to such modifications or adaptations as may be made by the Board therein with the previous approval of the Central Government apply to all financial transactions of the Board.

28. Powers and duties of Chairman.—(1) The Chairman shall, as the Chief Executive of the Board, be responsible for the proper functioning of the Board implementing the Board's policies and the discharge of its functions as provided under the Act and the duties under these rules and the regulations framed by the Board.

(2) It shall be the responsibility of the Chairman to ensure that in carrying out the functions and duties under sub-rule (1), the Board works in close liaison with the State Governments, Union and other Agencies, Institutions and authorities such as the Indian Council of Agricultural Research, Directorate of Marketing and Inspection, Coir Board, the Agricultural Universities in the coconut growing states, the Kerala State Coconut Development Corporation and other institutions and organisations concerned with the coconut industry and avoids duplication of efforts. It shall also be the responsibility of the Chairman to ensure that in carrying out the functions and duties under sub-rule (1), appropriate measures are taken to protect the interests of small farmers and producers so that they may become participants in and beneficiaries of the development and growth of coconut industry.

(3) Subject to the provisions of these rules, the Chairman may delegate his powers under this rule to any other officer of the Board.

(4) The Chairman shall have the power to grant leave to all officers and employees of the Board and may delegate this power to any other officer of the Board subject to such conditions as he thinks fit.

(5) The Chairman shall exercise administrative control over all departments and officers of the Board including the Chief Coconut Development Officer and the Secretary.

(6) The Chairman shall have powers,--

(i) to call for documents and records and to inspect or cause to be inspected, accounts and places of storage or of business as required under the Act or these rules or as may be considered necessary for discharging properly any of the functions of the Board,

(ii) to sanction expenditure, subject to the provisions of rule 26, for contingencies, supplies and services and purchase of articles required for the maintenance and working of the office of the Board, and

(iii) to carry out the measures in furtherance of the objects of the Act, as provided for under section 10.

(7) The Chairman may by order, in writing, delegate any of his powers under sub-rule (6) to any other officer of the Board.

(8) The Chairman shall have power to require the Board or any committee thereof to defer taking action in pursuance of any decision taken by the Board or the committee, as the case may be, pending a reference to the Central Government on such decision.

(9) Where a matter has to be disposed of by the Board or a committee thereof and decision in respect of that matter cannot wait till a meeting of the Board or the committee, as the case may be, is held or till completion of circulation of the relevant papers among the members of the Board or the committee, the Chairman may take required decision himself.

(10) Where the Chairman takes such decision, he shall submit the same for ratification by the Board or the committee, as the case may be, at its next meeting:

Provided that, if the Board or the committee modifies or annuls the decision taken by the Chairman, such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of any action taken before such modification or cancellation.

29. Powers and duties of Vice-Chairman.—The Vice-Chairman shall preside over the meetings of the Board and its committees in the absence of Chairman and shall exercise such powers and perform such functions of the Chairman as may be delegated to him by the Chairman.

30. Powers and duties of the Chief Coconut Development Officer.—The Chief Coconut Development Officer shall function as the Head of the technical wing of the Board under the Chairman and shall exercise such powers and perform such duties as may be delegated to him by the Chairman.

31. Powers and duties of Secretary.—(1) The Secretary shall be responsible for the implementation of the decisions arrived at by the Board or by its committees and the discharge of the duties imposed on him under the Act or by these rules.

(2) Subject to such powers and duties as may be delegated by the Chairman, the Secretary shall—

- (a) cause all important papers and matters to be presented to the Board as early as practicable;
- (b) issue directions as to the method of carrying out the decisions of the Board;
- (c) grant receipt on behalf of the Board for all moneys received under the Act;
- (d) maintain or cause to be maintained an account of the receipt and expenditure of the Board and also the various registers that may be prescribed for the Board under the Act or these rules;
- (e) present an annual draft report on the working of the Board to the Board for approval and submit the report in the form approved by the Board to the Central Government not later than the dates specified from time to time in this behalf by the Central Government for being laid on the table of both Houses of Parliament; and
- (f) assist the Chairman in all administrative matters and in discharge of such other functions as the Chairman may direct.

CHAPTER VI

FINANCE, BUDGET AND ACCOUNTS OF THE BOARD

32. Budget Estimates.—(1) The Board shall in each year, prepare budget estimates for the ensuing financial year and revised estimates for the current year and shall submit it for sanction to the Central Government on or before such date as may be fixed by the Government. The revised budget when sanctioned shall supersede the original budget and shall be deemed to be the sanctioned budget for the year.

(2) No expenditure shall be incurred until the budget is sanctioned by the Central Government and the expenditure has received the sanction of the competent authorities.

(3) The budget shall be prepared in accordance with such instructions as may be issued from time to time and be in such form as the Central Government may direct. It shall include a statement of—

- (i) the estimated opening balance;
- (ii) the estimated receipts referred to in sub-section (1) of section 13 of the Act; and
- (iii) the estimated expenditure classified under the following heads and sub-head or such other heads and sub-heads as the Central Government may direct namely:—

Heads:

- (a) Administration;
- (b) Development of coconut production including promotion of co-operative efforts among coconut growers and assistance for improved methods of cultivation;
- (c) Improvement of marketing facilities for coconut and its products including grading;
- (d) Research on coconut and its products;
- (e) Extension activities including propaganda and publicity;
- (f) Statistics;
- (g) Works; and
- (h) Miscellaneous.

Sub-heads:

- (a) Salaries;
- (b) Wages;
- (c) Travel expenses;
- (d) Office expenses;
- (e) Machinery and equipment;
- (f) Materials and supply;
- (g) Rents, rates and taxes;
- (h) Publications; and
- (i) Other charges;
- (iv) Programme of activities for the ensuing financial year.

(4) Supplementary estimates of expenditure, if any, shall be submitted for the sanction of the Central Government in such form and on such dates as may be directed by it in this behalf.

33. Accounts of the Board.—(1) The Board shall maintain accounts of all receipts and expenditure relating to each year and maintain records in such a manner as to prepare annually the receipts and payment account and income and expenditure account and a balance sheet. These accounts shall be approved by the Board and submitted to Auditors.

(2) The annual accounts of the Board as mentioned in sub-rule (1), together with Auditor's Report thereon, as provided under section 15 (4) of the Act, shall be submitted annually to the Central Government as soon as possible after the close of the year, and in any case, not later than the dates specified in this behalf by the Central Government for being laid on the tables of both Houses of Parliament.

(3) Without prejudice to anything contained in this rule the Board shall, after the end of each financial year, submit to the Central Government a report in a form to be decided by the Central Government giving a true and full account of its activities, policy and programmes during the previous financial year latest by the 30th June.

34 Deposit of funds of the Board in Banks and investment of such funds—(1) Money required for the current expenditure of the Board with the exception of petty cash and surplus moneys shall be kept in current account in the State Bank of India or any of the nationalised banks and operated as per requirements and expenditure shall be incurred only after sanction thereof by withdrawing money from this Account.

(2) Funds in the Board's Pension Fund or Provident Fund, not required for current expenditure, may be invested in Trustee Securities or Ten Year Treasury Savings Deposit Certificates or National Savings Certificates or National Defence Certificates to the extent permissible or in fixed deposit with the State Bank of India or any of its subsidiaries or, if approved by the Central Government, with any other scheduled bank.

(3) Payment by or on behalf of the Board shall be made in cash or by cheque drawn against the current account of the Board.

(4) Such cheques and all orders for making deposit or investments or withdrawal of the same, or for the disposal

in any other manner, of the funds of the Board shall be signed by the Secretary and countersigned by the Chairman or in the absence of the Chairman, any other officer of the Board duly authorised by him.

CHAPTER VII

MISCELLANEOUS

36 Reports and returns—(1) The Chairman or any other officer authorised by the Chairman shall have power to call for any information on statistics in respect of coconut or any other product of coconut from—

- (i) growers of coconut,
- (ii) dealers in coconut or copra including copra milling industry,
- (iii) manufacturers of coconut product, and
- (iv) any person or firm or company or any other institution dealing in, or having any connection with coconut industry or coconut products.

(2) The Board shall furnish a programme of its activities including developmental programmes for each financial year in advance and not later than 31st December of the current financial year.

[No F 12(16)/78 CA II]

R C SOOD Addl Secy